



भारत का संज्ञपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 128] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 9, 1980/वैशाख 19, 1902

No. 128] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 9, 1980/VAISAKHA 19, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मई, 1980

सा. का. नि. 255(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (6) के साथ पाठित इसी अधिनियम की इसी धारा की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (1), ब्लारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री आर. बी. लरगते को मार्गोगाओं पत्तन के न्यासी मंडल के अधिकारियों के कल्याण या उनके हितों का मंथर्धन करने के लिए गठित एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने के लिए मार्गोगाओं पत्तन के न्यासी मंडल में न्यासी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंशालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संस्था सा. का. नि. 165(अ), दिनांक 31 मार्च, 1980 में निम्नलिखित मंशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिकारियों के हितों या कल्याण का संबंधन करने के लिए गठित प्रतिनिधि जोड़ी जाय अर्थात् :—

"16. श्री अरुण वीर महाराज"

मड़न के अधिकारियों के हितों या कल्याण का संबंधन करने के लिए गठित प्रतिनिधि ।"

[F. No. मंस्ट्रा-पी इन्ड्यू/पी टो बी-10/79]

दिनेश कुमार जैन, मंशुकत सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 1980

G.S.R. 255(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), read with sub-section (6) of the said section, the Central Government hereby appoints Shri R. V. Kharangate, representing the Association formed for the purpose of promoting the interests of welfare of officers of the Board, as Trustee, on the Board of Trustees of the Port of Mormugao, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 165(E), dated the 31st March, 1980, namely :—

In the said notification, after Serial Number 15, the following Serial Number and entry shall be inserted, namely :—

"16. Shri R. V. Kharangate—Representing the Association formed for the purpose of promoting the interests or welfare of officers of the Board".

[F. No. PW/PTB-10/79]

D. K. JAIN, Jt. Secy.